



GENERAL STUDIES (Test-4)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (O-A)-M-GSM (P-III)-2304

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Ashtak Samr Mobile Number: 9811111111

Medium (English/Hindi): Hindi Reg. Number: _____

Center & Date: Nehru Vihar 11-07-2023 UPSC Roll No. (If allotted): 0825213

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें वाह्य प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उर्दू माध्यम में लिखे जाने चाहिये जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाना छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काट जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are TWELVE questions printed both in HINDI and ENGLISH

All the questions are compulsory

The number of marks carried by a question is indicated against it

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)

Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)

Reviewer (Signature)

www.drishtiiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Feedback

- | | |
|---|--|
| 1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता) | 2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता) |
| 3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता) | 4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह) |
| 5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता) | 6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता) |

खंड - क / SECTION - A

1. (a) अभिरुचि क्या है? क्या आप मानते हैं कि यह रुचि, कौशल और बुद्धिमत्ता से भिन्न है?
(150 शब्द) 10
- What is aptitude? Do you think that it is different from interest, skill and intelligence?
(150 Words) 10

अभिरुचि से तात्पर्य नए विषय या कौशल की खोज करने की क्षमता है। उदा. व्यवसायिक उद्योगों में उद्योगिक कार्य का भले ही वर्तमान में अभाव हो लेकिन प्रयत्न इच्छित्व के द्वारा उद्योगिक काम सलाना करने की अभिरुचि उनके अन्दर है।

रुचि	व्यक्त	अभिरुचि
→ किसी विषय या कार्य के प्रति लगाव या परंपरा की भावना उदा. ज्ञान-बल्लभ भूषण		→ सीखने की क्षमता धु. जगित सीखना
→ सामाजिक व भावनात्मक पक्ष से संबंधित		→ व्यावहारिक व स्थिरात्मक पक्ष से संबंधित

कौशल	व्यक्त	अभिरुचि
→ किसी व्यक्ति की वर्तमान योग्यता से संबंधित		→ यह अवस्था में उच्छित्व के द्वारा ग्रहण करने से संबंधित है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उदा. पीएच डिजाइनर में
चित्र बनाने का कॉलेज
- कारीगर में श्रवण निर्माण
का कॉलेज

उदा. MBBS छात्र में डॉक्टर
बनने की अभिरूचि
- LLB छात्र में वकील बनने
की अभिरूचि

बुद्धिमत्ता ज्ञान अभिरूचि

→ व्यक्ति के विवेक
रूप में विवेक लेने की
क्षमता से संबंधित

→ कार्य को कर पाने की
क्षमता से संबंधित।

उदा. अचिन तेंडुलकर में
शतक लगाने की अभिरूचि

→ इमेन्यूअल कोट - विवेक

बुद्धिमत्ता का मुख्य आधार

उदा. महात्मा गांधी द्वारा विवेकपूर्ण
निर्णय

अपकर्षित। अपरुम्भ पर्वी गुण

अभिरूचि निर्माण एवं उच्चानिष्ठा क्षमता संबंध में
महत्वपूर्ण

(b) "आपकी अभिवृत्ति आपका कद निर्धारित करेगी, आपकी अभिरूचि नहीं"। आप इस उद्धरण से क्या
समझते हैं? उदाहरण सहित अपने विचार स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10
"It is an attitude, not aptitude, which determines one's altitude". What do you understand
by the quotation? Explain your stand with illustrations. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

अभिरूचि से तात्पर्य किसी विषय (विचार, संस्था
समाज, समाज इत्यादि) के प्रति व्यक्ति की राय, परंपरा
वापरूप (भावनात्मक) उत्कृष्ट - अनुकूल (व्यवहारमूलक) पक्ष
के समुच्चय से है। वही उसकी ऊँची नए विषय सिखने का
संगत अभिरूचि कहलाता है।

उद्धरण से तात्पर्य?

→ किसी विषय के प्रति अभिरूचि यह तय करती है कि
व्यक्ति यह कार्य कर पायेगा या नहीं। जबकि अभिरूचि
यह तय करती है वह कार्य किस प्रकार होगा।

उदा. अचिन तेंडुलकर व विवेक कांबली के अंतर किसे लक्ष्य
लिए समान अभिरूचि होती है। हल भी अभिरूचि के
अंतर ने उनकी सफलता के बीच बड़ा अंतर पैदा
कर दिया।

→ इसी धारणा के मुहू एवं माहसूसि के स्वाभिमान के लिए
इ. महाराजा प्रताप का संघर्ष अभिरूचि के साथ-साथ

संस्कारात्मक अभिवृत्ति का भी उदाहरण है।

→ अभिवृत्ति व्यक्ति की क्षमता एवं सामर्थ्य अभिवृत्ति से संबंधित जबकि अभिवृत्ति व्यक्ति के इष्टितकों व प्रवृत्ति से संबंधित। जैसे महात्मा गांधी द्वारा गांधी द्वारा दक्षिण अफ्रीका में ब्रिटिश सरकार के विरोध का उदाहरण।

इस तरह बोलेंद्र समिति द्वारा

बनाए उच्चालमिक गुणों के अनुरूप संस्कारात्मक अभिवृत्ति व अभिवृत्तता का होना निजी व सार्वजनिक क्षेत्र में उचितता तय करती है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

2. (a)

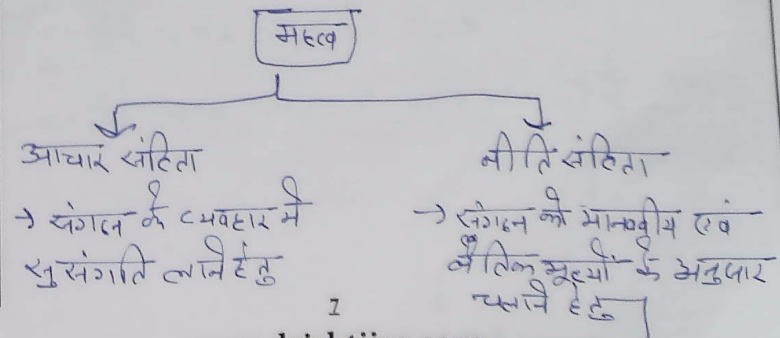
“आचार संहिता” एवं “नीति संहिता” के बीच क्या अंतर है? प्रत्येक के महत्त्व और प्रासंगिकता को स्पष्ट करने के लिये उदाहरण प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the distinction between a “code of conduct” and a “code of ethics”? Provide examples to illustrate the importance and relevance of each. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

आचार संहिता - इससे तात्पर्य किसी संगठन द्वारा अपने सदस्यों हेतु बनाएँ नियमों व दिशा निर्देशों से है जिसके आधार पर 'करने योग्य' व 'अकारणीय' कार्य का निर्धारण किया जाता है।
उदाहरण - CSCCC 1964 उच्चालमिक अभिवृत्तियों हेतु

नीति संहिता - यह वैदिक मानकों व सिद्धांतों का समूह है जिसके आधार पर आचार संहिताओं का निर्माण होता है एवं व्यक्ति व संगठन की स्वयंनिष्ठा परफर्डित, प्रभावदे जैसे मूल्यों को साधा जाता है।
उदा - USA की कैथोलीक समिति 1992 द्वारा बनायी नीति संहिता



आ. → इससे ~~सर्वोच्च~~ के कर्तव्य व अधिकार सुनिश्चित होते हैं।

उदा.: सर्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण करना, सहृदय प्रभाव जैसे लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पारदर्शिता

आचरण संरिता

उपा. स्थापना, पारदर्शिता व जन विश्वास को हासिल करना। जैसे पुनाव आयोग द्वारा जारी आचरण संरिता

नीति संरिता

→ उपा. वस्तुनिष्ठता भ्रष्टाचार रोक्ने के लिए।

सारतः आचरण संरिता व नीति संरिता दोनो जीव रोहर के शुचिता सिहात हूँ।

महत्वपूर्ण।

(b) अनामिकता और निष्पक्षता भारतीय लोक सेवा की मूलभूत विशेषताएँ हैं। विवेचना कीजिये।
(150 शब्द) 10
Anonymity and impartiality are the fundamental characteristics of the Indian Civil Service. Discuss.
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अनामिकता से तात्पर्य उच्चालयिक अधिकारियों द्वारा राजनीतिक भावनात्मकता के प्रति प्रभावित रहने हुए लोकप्रियता से प्रभावित हुए बिना कार्य करना है। निष्पक्षता बिना किसी पक्षपात व उर्वरिह के निर्णय करने से उच्चालयिक शुण है।

अनामिकता

→ उच्चालय से स्वतन्त्रता, पारदर्शिता व जवाबदेहिता हेतु महत्वपूर्ण।

→ सोशल मीडिया जल्वादि पर अपने कार्य व निर्णयों को उच्चालयिक अधिकारियों द्वारा मर्फेसना। लोकप्रियता एवं वेडिया जल्वादि के बलाय परचित धानवीन व वस्तुनिष्ठता से निर्णय लेना।

→ अवीजल ही में कुछ अधिकारियों द्वारा फोल्गेर बदले व सक्ती लोकप्रियता हासिल करने हेतु अनामिकता के सिहात का उल्लंघन किया गया।

निष्पत्ति
 → निष्पत्ति के लिये शार्वजनिक हितों को ध्यान में रखकर निर्णय।
 → स्वयंसेवक संघों के अभाव में समाज की समस्याओं का निराकरण।
 → सार्वजनिक हितों के अनुसार शार्वजनिक संबंधों, विभागों, मिशनों इत्यादि में सहयोग, तथ्यों व योग्यताओं की वरीयता।

द्वितीय सुधार आयोग ने अपनी 41^{वाँ} रिपोर्ट शासन में नैतिकता में उन्नति व निष्पत्ति उन्नत शार्वजनिक व्यवस्था का आधार बना है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
 What does each of the following quotations mean to you?

- (a) "आप अक्सर अपनी अभिवृत्ति को परिवर्तित करके अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं।"
 - एलेनोर रूजवैल्ट (150 शब्द) 10
 "You can often change your circumstances by changing your attitude." — Eleanor Roosevelt (150 Words) 10

सकारात्मक इच्छाओं एवं उन्नत एवं सकारात्मक मानसिकता को रेखांकित करती उपरोक्त अभिवृत्ति पंक्तियाँ अभिवृत्ति निर्माण पर केन्द्रित हैं।

अभिवृत्ति परिवर्तन कैसे?

- सकारात्मक कदमों का उद्देश्य एवं महात्मा गांधी, बुध, मार्टिन लूथर किंग विचारकों की कलाओं का प्रयोग।
 → स्वयंसेवक, समाज, व शिक्षण संस्थानों के माध्यम से समझना।
 → योग, गीता, ~~कर्म~~ कर्म के विभाजन एवं अनुपालन अनुभव इत्यादि के द्वारा।

अक्सर ऐसा देखा जाता है कि रात के समय पर बहुत मुश्किल लगने वाला कार्य धीरे धीरे और उपाय से पूरा किया जा सकता है।
 महात्मा बुध द्वारा ज्ञान प्राप्त है तो किया गया अथवा उपाय।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

→ वैलक्षण में द्वारा द्विग अप्रति स्वतंत्रता
रंग्याय मैल समय तक लगे रहना एवं असफल
स्ति पर लगे अ मह वरी व अभिहित के
राश पुनः प्रयास।

परंतु यह सर्वमौम सत्य वही कई बार
स्वरा परिस्थिति में भी अपनी अभिहित पर ही
रहने से परिस्थिति बदल सकती है। अतः कई बार
असफल के बाद भी अभिला के उत्ति गांभी द्वारा
अपनी अभिहित में बदलना।

इस तरह यह कहना समीचीन होगा कि—
" सौच ही बदली स्ति हारे बदल पाएंगे ...
द्वि को बदली स्ति हारे बदल पाएंगे ...
अर्थात् सर्वसामान्य अभिहित परिचरन से
परिस्थिति में बदल पाएंगे।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

(b) "ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा कमजोर और व्यर्थ है परंतु सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान खतरनाक एवं
भयानक है" - सेमुअल जॉनसन (150 शब्द) 10

"Integrity without knowledge is weak and useless, and knowledge without integrity
is dangerous and dreadful." Samuel Johnson. (150 Words) 10

अत्यनिष्ठा से तात्पर्य अपने कर्म की पालना में उत्प
भै आदर्श सुख ईमानदारी, पारदर्शिता, अवाक्यता
का पालन करना है। वही ज्ञान किसी कार्य या कौशल
उत्ति जानकारी है।

परंतु ज्ञान एवं अत्यनिष्ठा दोनों का
भाजुन सन्तुलन किसी कार्य की सफलता एवं परिचरना
की तय करती है। उदा. पाकिस्तानी कै पास
मिसाबल बनाने का ज्ञान था लेकिन अत्यनिष्ठा के
अभाव में उसके ज्ञान का उपयोग अंतर-नी रिया
मानवता की तबाह करने की दिशा में कर सकते हैं।

अतः ज्ञान ही अवशुण है परंतु
कई बार ज्ञान है इस भी गलत कार्य में तब कू
के पाउच पर हानिकारक निर्देश के बावजूद भी
तम्बानू का लेपन।

इस तरह उपरोक्त उदाहरणों से
कहा जा सकता है कि बिना अत्यनिष्ठा

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

के ज्ञान का लोड अर्थ नहीं है। महात्मा गांधी
ने इसे अपने खात पाप सिंहात में परिष्कृत
ज्ञान के रूप में व्यक्त किया है।

इस तरह गुननामों की कल्पना
'सौदा' सिंहात के अनुरूप ज्ञान व ईमानदारी के
सन्तुलन से ही कार्य की सार्थकता तय की जा
सकती है।

उम्मीदवार को इस
हाथिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

- (c) "मुझे केवल भावना की परवाह है - जब वह सही होगी, तो सब कुछ अपने आप सही हो
जाएगा"। स्वामी विवेकानंद। (150 शब्द) 10
"I care only for the spirit - when that is right, everything will be righted by itself."
Swami Vivekanand. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस
हाथिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

1. अन्तरात्मा एवं मानववाद पर केंद्रित यह
पंक्तियों में तिकता के विचारों में व्यक्ति की अंतःस्था
पर ध्यान देती है।

स्वीडनाथ हेगोर ने यह रूप
अन्तरात्मा के कल्याण हेतु व्यक्तिगत में तिकता
पर जोर दिया है।

केवल भावना की उवाह

→ इससे तात्पर्य व्यक्ति की शीघ्र एवं अन्तरात्मा के
गुणों से है।

→ अगर हम मन से किसी के प्रति पवित्र शीघ्र
का स्वभाव सहयोग का केवल बाहरी दिखावा करते
हैं तो कल्याण सम्भव नहीं।

भावना हीन होने से सब हीन ?

→ अगर हम मन से कभी पितृसाहाय्य,
की डील भेदभाव व हिंसा की स्वीकार्य
करें तो हमारी प्रकृति कभी सही दिशा दिखाएगी।

→ संसदीय व्यवस्था के अन्तर्गत के प्रशासन के प्रति भारतीयों की आसक्ति को भारत में प्रशासन को सबसे बड़ा कारण माना है यदि हम इन की प्रतीति प्रशासन को मजबूत कर दें तो प्रशासन बड़ा ही स्वल्प हो जाएगा।

उस प्रकार महात्मा गांधी के अन्तर्गत सर्वोच्च रक्षा के सिद्धांत के अनुसार सम्राज्य की स्थापना की जा सकती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4. (a) कार्यस्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता पारस्परिक संबंधों को कैसे प्रभावित करती है? समूह गत्यात्मकता, सहकार्यता और संघर्ष समाधान पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रभाव को विवेचना कीजिये।

(150 शब्द) 10

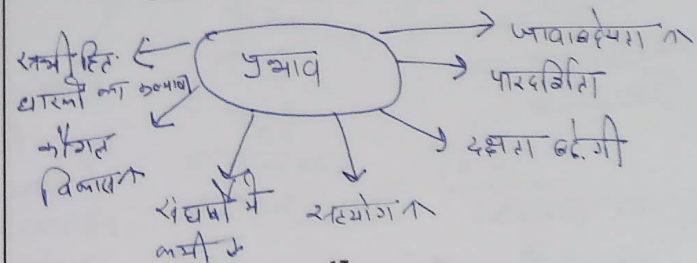
How does emotional intelligence influence interpersonal relationships in the workplace? Discuss the impact of emotional intelligence on team dynamics, collaboration, and conflict resolution. (150 Words) 10

पीटर डोलबी व मैयर के अनुसार 'अपने व दूसरों की भावना को पहचानकर प्रबंधन करना एवं प्रभावकारी निर्णय निर्माण से इसकी सहायता लेना भावनात्मक बुद्धिमत्ता कहलाता है।

कार्यस्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का पारस्परिक संबंधों पर प्रभाव कैसा?

→ ईनियल गोलमेन के द्वारा बनाये "भावनात्मक महत्व" गुण के अनुसार टीम निर्माण व कार्य संस्कृति सुधार में सहायक।

- कर्मचारी-प्रबन्धी के बीच सम्बन्ध सहसंबन्ध।
- कार्यालय की कार्यक्षमता में सुधार होगा।
- व्यक्तिगत सम्बन्धों में सहयोग का अभाव होगा।



उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

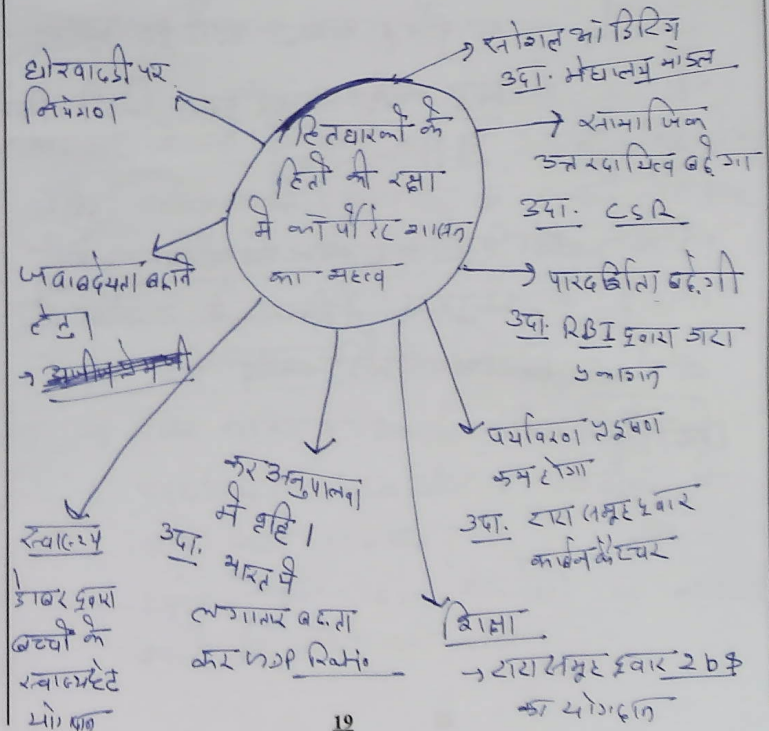
भाषनात्मक दृष्टिमात्र के सहारे सत्कार्यालय के सभी सदस्यों के बीच समन्वय, सहयोग, विवाद निपटान इत्यादि के परिणाम लोरेस को हलचल के कार्य-संस्कृति सिंहांत के अनुरूप कार्य-संस्कृति में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) अनैतिक व्यवहार को रोकने और हितधारकों के हितों की रक्षा करने में निगमित शासन (कॉर्पोरेट गवर्नेंस) महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संदर्भ में भारत में निगमित शासन के साथ नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।
(150 शब्द) 10
Corporate governance plays an important role in preventing unethical behaviour and protecting the interests of stakeholders. In this context, discuss the ethical issues with corporate governance in India.
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पिछले वर्ष के अनुसार कॉर्पोरेट गवर्नेंस से सम्बंधित नैतिक मुद्दों, सिंहांत के आधार पर कम्पनी का इस प्रकार प्रबंधन ताकि सभी हितधारकों का कल्याण सुनिश्चित किया जा सके।



भारत में नैतिक मुद्दे

→ चण्डसाय ले पुके आंकी का गलत उल्लेख

उदा. वामदेवगन का मामला

→ बेल्लेख जीए के साथ घोटाला

उदा. स्तव्यम कंप्यूटर धोखा

→ पद का गलत जामदा उदाहरण अपव्यय

उदा. पंजा लोचर द्वारा निजी व्यवस्थित
लै रिमा लोन

इस तरह काट के सार्वजनिकता के
सिंहान के अनुरूप नैतिकता के समावेश के
आधारों को व्यवसायिकी स्वस्थ दिया जा
सकता है

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

5. (a)

नैतिक दुविधा क्या है? सार्वजनिक संस्थानों में विभिन्न नैतिक चिंताओं और दुविधाओं पर चर्चा कीजिये।
(150 शब्द) 10

What is an ethical dilemma? Discuss various ethical concerns and dilemmas in public institutions.
(150 Words) 10

जॉन रोहर ('Ethics for Administrative Structure' - विचार)

के अनुसार

लॉरेन्स कोलसनबर्ग के अनुसार नैतिक दुविधा
के तात्पर्य दो ऐसी नैतिक परिस्थितियाँ हैं
जिसमें से किसी एक का चुनाव करने पर
व्यक्तिगतक उच्चतम अलग है।

इस तरह नैतिक दुविधा के तात्पर्य दो
असंगत विकल्पों को चयन करने के अल्पक दुविधाएँ हैं।
जैसे:- पब्लिक कामों में किंगर प्रिंट का न लगाने की वजह
से छुटी औरत को स्वस्थ रखिसकी है या नहीं?

सार्वजनिक संस्थान में नैतिक चिंता

- नैतिक संस्था व आचरण संस्था निर्माण की।
- रक्षकनिष्ठा, पारदर्शिता व पदावधारण में
हृदि करने संबंधित।
- उच्चतम की रक्षक, समावेशी एवं व्यवसाय
व्यवस्था के तरीकों की खोज।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

नैतिक दुविधाएँ

- व्यक्तिगत हित बनाम सार्वजनिक हित
- वित्तसंबन्धी सुरक्षा जैसे सुनिश्चित करें।
- उच्चानैतिक गोपनीयता बनाम पारदर्शिता।
- मित्रों की कड़ाई से पालना बनाम कमजोर लोगों के प्रति कल्याण इत्यादि।

- उपाय → संविधान → कानून → नियम → विनियम पालन
- अंतश्चेतना की सुवृत्ति
 - महात्मा जैन जगत शा पेशा इत्यादि।

इस तरह सिविल सेवा के दुनियादी मूल्यों को सर्वोपरि रखते हुए सार्वजनिक व्यवस्था में नैतिक दुविधाएँ एवं चिंताएँ से उच्चर जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हार्शिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

(b) निम्नलिखित पर 30-30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये:
Write short notes on the following in 30 words each:

(150 शब्द) 10
(150 Words) 10

- (i) नैतिक प्रशासन / Ethical Governance
- (ii) वस्तुनिष्ठता और निष्ठा / Objectivity and dedication
- (iii) निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ / Ethical perversions of private sector
- (iv) सहानुभूति और करुणा / Empathy and compassion
- (v) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 / RTI Act, 2005

उम्मीदवार को इस हार्शिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

i) नैतिक प्रशासन - UNDP के अनुसार सत्यनिष्ठा, परदक्षिता, करुणा, वस्तुनिष्ठता जैसे मूल्यों पर आधारित प्रशासन कया? जवाब देते हैं, कमजोरों का कल्याण, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण एवं सेवाओं का गुणवत्तापूर्ण प्रदान करना।

ii) वस्तुनिष्ठता - बालेंद्रसमिति ने निजी हितों एवं इवाजियों के उपाय नहीं, साक्ष्य व अयोग्यता के आधार पर निर्णय लेना। उच्चानैतिकताओं को उभावी, गुणवत्तापूर्ण, वस्तुपरक व करुणा के साथ करने की चाह।

iii) निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ → व्यवसायिक नैतिकता का पालन सुनिश्चित करना, अभिमत हित बनाम संस्थागत हित, असाक्षर, क्रांति, पारदर्शिता का अभाव, आडि में गड़बड़ी उदा. विजय मल्हया व मैट्रुल चौकवी जैसे नाराजगी

iv) समानुभूति - कार्ल रोजर - किसी व्यक्ति के
कुर्बान्य के उति संवेदना, दया व पुःख उक्त
करना। उदा रोजी के देखकर उसकी पीडा के उति
संवेदना
करना - किसी की पीडा के उति समानुभूति रखकर
सेवा हेतु तत्पर रहना। उदा मदर टेसा, बोखिसत्व

v) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 → शासन, प्रशासन
की जनता के उति जवाबदेयता तय करने हेतु पारित
संसद द्वारा कानून। किसी की लोक अधिकारी से
सूचना प्राप्त करने का नागरिकों की कानूनी व
भौतिक 19(1) अधिकार

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

6. (a)

शासन व्यवस्था में ईमानदारी से क्या आशय है? शासन व्यवस्था में ईमानदारी का उद्देश्य और महत्व क्या है? क्या शासन व्यवस्था में ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिये कोई उपाय है?

(150 शब्द) 10

What is probity in governance? What is the purpose and importance of probity in governance? Are there any measures to ensure probity in governance? (150 Words) 10

पब्लिसिटी

पब्लिसिटी (Ethics for Administrator) के

अनुसार न्यायक परिस्थिति में व्यक्तिगत व सार्वजनिक
हित को सर्वोपरि रखने का आव शासन व्यवस्था में
ईमानदारी का जालन है। उदा. टी.एम. जेसन द्वारा
पुनाव आयोग में किए गए कार्य

शासन व्यवस्था में
ईमानदारी

उद्देश्य

→ "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय"
→ गांधी के सर्वोदय, नालिन
जैती सिद्धान्त की परिपूर्णाता।
→ सहभागिता, कमपारक
के उति सम्पर्ण हेतु

महत्व

→ शासन में व्यक्तिगत
वर्तनी एवं आचरण
कम होगा।
→ जवाबदेयता में बृद्धि होगी
→ जन विश्वास में बृद्धि
→ शासनिक दक्षता में
बृद्धि।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

आय

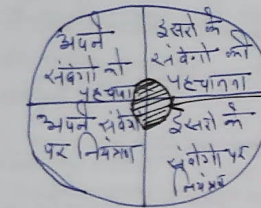
- आचार संहिता व नीति संहिता का निर्माण
↳ Find airc
- पारदर्शिता की अपेक्षा ← ONPC का उदाहरण
- ईमानदारी का उदाहरण ← मोल्द लमिति
- गीता के कर्मवाद सिद्धांत की शिक्षा
- भोव राटर - संस्थाओं का डिजाइन इस प्रकार करें की ईमानदारी से स्वतंत्र रहें हों
- डिजिटलीकरण एवं लक्ष्मी की स्थापना लेबर
इस प्रकार उपरोक्त उपायों के सहारे
जाल में ईमानदारी का जाल बनाया जा सके है

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

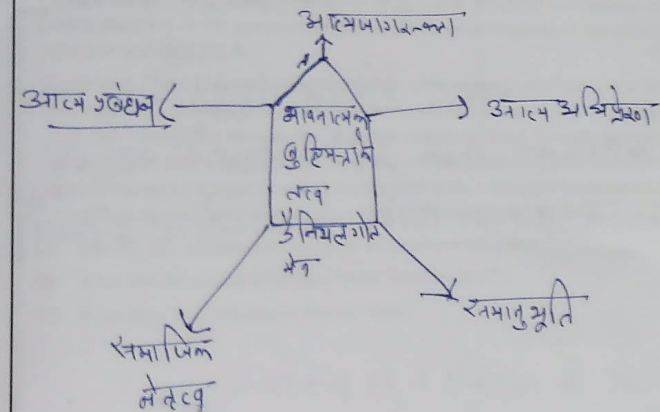
- (b) लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का क्या महत्त्व है? तार्किक समर्थन के साथ अपने विचार प्रस्तुत कीजिये।
(150 शब्द) 10
What is the significance of Emotional Intelligence in Civil Servants? Share your viewpoint and provide supporting arguments.
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

हार्वर्ड गार्डनर के अनुसार भावनात्मक बुद्धि व्यक्ति की
अन्य सभी बुद्धिमत्ता से सर्वोच्च है एवं इसमें अपने व
इसरो के संबंधों को पहचानने हुए प्रबंधित करने का
कौशल है।



भावनात्मक बुद्धिमत्ता



महत्त्व

→ व्यक्ति अपने विचार एवं भावनाओं की जान पता है एवं अपनी इच्छियों पर नियंत्रण कर सकता है।

महत्त्व - आचरणता है → भ्रष्टाचार

→ इसरी को उन्नावित एवं नियंत्रित किया जा सकता है।
उदा. वंगा निम्नत्रा में बिहार कैडर के IPS अमित

लोग इसरी किया गया था।

→ अपनी बात मनवाने एवं सर्वजनिक कल्याण में सहायक
उदा. सरदार पटेल द्वारा रियासतों का विलोपन

नारदा डेविड गोलमस के

६०६० B Mathum tham Iq" सिंहत के अनुरूप

आत्मतमल कुहिमता व्यक्ति की स्वा.सर्वोच्च कुहिमता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

खंड - ख / SECTION - B

7.

आपको उस राज्य के एक जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है जहाँ हाल ही में एक अवैध खनन माफिया द्वारा एक डी.एस.पी. की हत्या कर दी गई थी। आपको सूचना मिली है कि अरावली की पहाड़ियों में कुछ लोगों द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि उस क्षेत्र में अवैध खनन के अधिकतर मामले कभी भी न्यायालय या पुलिस तक नहीं पहुँचते हैं क्योंकि माफिया के रूप में कोई और नहीं बल्कि स्थानीय विधायक शामिल है।

एक तथ्य यह है कि अधिकांश खनिज भंडार जिले के एक बड़े भाग में स्थित अरावली पर्वतमाला के आसपास केंद्रित हैं। खनन गतिविधि को तत्काल रोकने से वहाँ कार्यरत मजदूरों के जीवन पर भी असर पड़ेगा। जबकि खनन का पर्यावरणीय प्रभाव भी एक चिंता का विषय है। एक युवा और ऊर्जावान नौकरशाह होने के नाते, आप सकारात्मक बदलाव लाने के लिये उत्साहित हैं, अपितु फिर भी आपको अपने अधीनस्थों द्वारा चेतावनी दी जाती है, जो विभिन्न चुनौतियों से गुजरते हैं।

(250 शब्द) 20

- उपरोक्त स्थिति में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये
- आपके समक्ष कौन सी नैतिक दुविधाएँ हैं?
- इस स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

You have recently been posted as the Superintendent of Police of a district in a state where a DSP was killed recently by an illegal mining mafia. You have received information that illegal mining was being done by some people in the area in the Aravalli hills. The surprising thing is that most of the cases of illegal mining in this area never reach the court or the police as the politician who was involved in the mafia was no one else but the local MLA.

It has been found that most mineral deposits are concentrated all along the Aravali range that runs through large parts of the district. An immediate shutdown of the mining activity will also impact the lives of the labourers employed there. The environmental impact of mining is also a major concern. Being a young and energetic bureaucrat, you are passionate about bringing positive changes but at the same time being cautioned by your subordinates who have witnessed various challenges from the threat. (250 Words) 20

- Identify the stakeholders involved in the above situation
- What are the ethical dilemmas being faced by you?
- What step will you take in this situation?

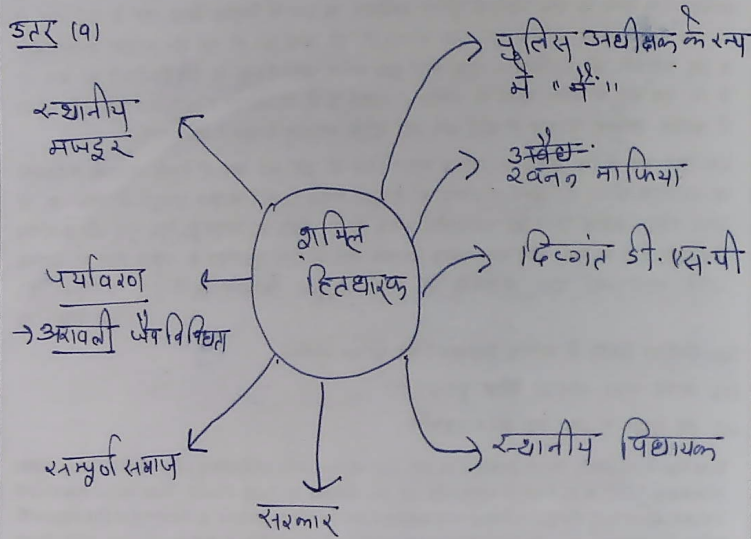
अभी हाल ही में हरियाणा में उपरोक्त प्रकार

का मामला देखा गया था। राजनीतिक प्रभावित गंजवोड

भ्रष्टाचार एवं उच्चतमिनि सत्यनिष्ठा, साहस व
समर्पण के प्रति उपरोक्त केस अहमकत हुआ गया है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उत्तर (9)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उत्तर (b) में तिन दुविधायें

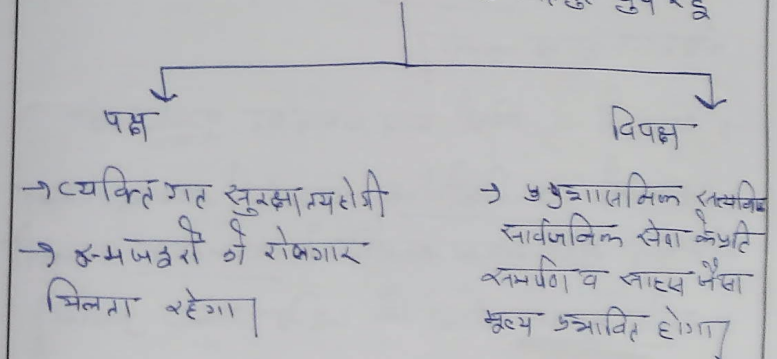
- 1) व्यक्तिगत हित बनाम सार्वजनिक हित
- 2) द्विगंत डी.एस.पी की हत्या मामले की जांच करवाना बनाम राजनीतिक दबाव।
- 3) प्रशासनिक श्रृंखलाचार बनाम मैरे में तिन मुख्य।
- 4) राजनीतिक निष्पत्ता बनाम गैर-दरफदाबी
- 5) परिवारों संरक्षण बनाम सामाजिक-आय असुविधा करना (मजदूरों के मामले में)

6) परम्परागत हितों को है अनुसार चुप रहना
बनाम व्यक्तिगत सुरक्षा के साथ सम्झौत करने के
मामले की सही जांच।

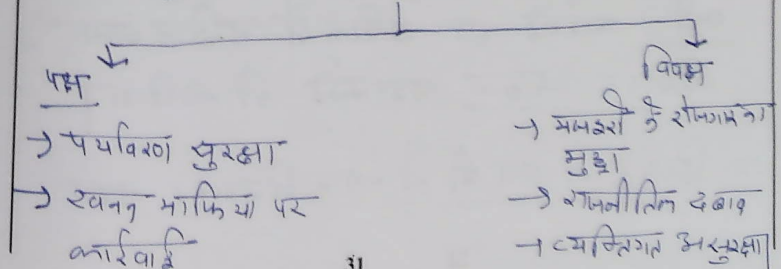
उत्तर (14)

मैरे सामने अस्थित विषय

1) अजीब-गज की सहाह मामले पर चुप रहूँ



2) रचना पर तुरंत रोक लगाव



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

मेरे द्वारा उठाया गया कदम ⇒

→ स्थानीय पुलिस के साथ सहयोग से मात्रे से संबंधित सभी महत्वपूर्ण तथ्यों एवं आंकड़ों की जानकारी प्राप्त करना।

→ अर्थात् खतम पर तुरंत रोक एवं सुधार के

"Speaking Truth to Power" सिद्धांत का उपयोग करते हुए मामले की जांच करते तब विधायक से सहयोग प्राप्त करना।

→ मजदूरी के विषय अन्य जगह पर पुनर्वास एवं उद्योगमंत्री एवं मिश्री योजना, उद्योगमंत्री राजगारपोसहन योजना, मुद्रा योजना आदि के साथ-साथ उद्योगमंत्री अ. गरीब कल्याण योजना के अन्तर्गत पुनर्वास।

→ जांच पूर्ण करने के पश्चात दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई एवं अधिक से अधिक सजा दिलाकर उदाहरण पेश करने की कोशिश।

→ दिवंगत श्री. एस. पी. जी. - यात्र दिनांक पर एक

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

अधीनस्थों में खास की भावना जागृत करने का प्रयास करूंगा।

इस तरह जान रोख के साथ सिद्धांत एवं राजनीतिक तटस्थता, निष्पक्षता जैसे मूल्यों पर आधारित मेरी सम्पूर्ण कार्यवाही होगी।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

8

पुलिस अधीक्षक के रूप में आप एक ऐसे जिले में नियुक्त हुए हैं जो गंभीर नागरिक अशांति और कानून व्यवस्था की समस्याओं से ग्रस्त है। राजनीतिक नेताओं की कई अपीलों के बावजूद स्थिति में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। दंगाई हथियारों और गोला-बारूद तक पहुँच हासिल कर पास के एक सैन्य शिविर को लूटने में कामयाब रहे। इससे विभिन्न समुदायों के बीच संघर्ष बढ़ गया है, जिसके परिणामस्वरूप लगातार गोलीबारी हो रही है। इस अराजकता के बीच, आपको एक शरणार्थी शिविर के एक अधिकारी से आधी रात को एक व्यथित करने वाला फोन आता है। उन्होंने आपको बताया कि शिविर में एक 7 वर्षीय बच्चे को पीठ में गोली मार दी गई है, जिससे पता चलता है कि दंगाइयों ने अन्य समुदायों के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिये पुलिस को निशाना बनाया था। अधिकारी घायल बच्चे को निकटतम अस्पताल तक ले जाने में आपकी सहायता का अनुरोध करता है। आप जल्दी से एक एम्बुलेंस की व्यवस्था करते हैं और शिविर की ओर चल पड़ते हैं।

हालाँकि, जब आप अपने मार्ग में जा रहे होते हैं तो आपको अपने एक अधीनस्थ से यह संदेश प्राप्त होता है, जो आपको फर्जी खबरों के प्रसार के प्रति सचेत करता है। इस गलत सूचना के अनुसार, यह झूठा दावा किया जा रहा है कि राज्य के अधिकारी एक विशेष समुदाय को अधिमान्य उपचार प्रदान करने के लिये एम्बुलेंस का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस स्थिति में आपके पास विभिन्न दृष्टिकोण क्या हैं? आपकी कार्यवाही का तरीका क्या होगा? आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनी रहे? (250 शब्द) 20

You, as the Superintendent of Police, find yourself in a district plagued by severe civil unrest and law-and-order issues. Despite numerous appeals from political leaders, the situation shows no signs of improvement. The rioters have managed to loot a nearby army camp, gaining access to weapons and ammunition. This has escalated the conflict between different communities, resulting in constant gunfire exchanges. In the midst of this chaos, you receive a distressing midnight call from an officer at a refugee camp. He informs you that a 7-year-old child has been shot in the back at the camp, revealing that the rioters targeted the police for providing protection to people from other communities. The officer at the camp requests your assistance in escorting the injured child to the nearest hospital. You quickly arrange for an ambulance and make your way to the camp.

However, while enroute, you receive a message from one of your subordinates, alerting you of the spread of fake news. According to this misinformation, it is being falsely claimed that state officials are misusing the ambulance to offer preferential treatment to a particular community. In this situation what are the different approaches available to you? What will be your course of action? How will you ensure that law and order situation is maintained? (250 Words) 20

उपरोक्त केस अध्ययन साम्प्रदायिक हिंसा,

कानून व्यवस्था की दृष्टिकोण से एवं अफवाहों के चलते बंद साम्प्रदायिक तनाव एवं राक अधिकारी के रूप में मेरी सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण, साहस, सहिष्णुता व

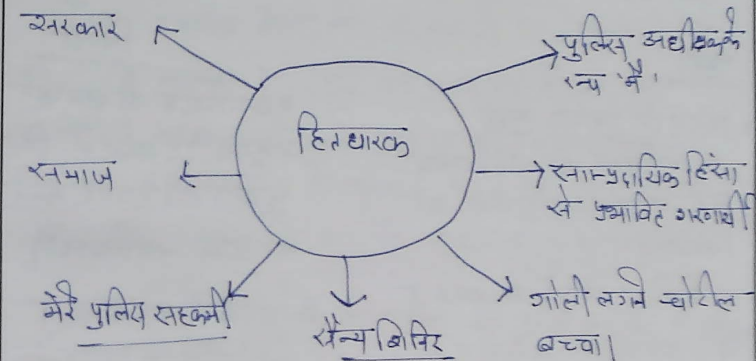
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

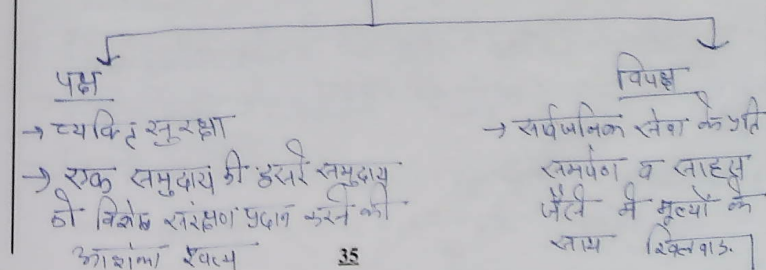
(Candidate must not write on this margin)

समानुभूति, फरकना जैसे मूल्यों के आस-पास लुकी गयी है।

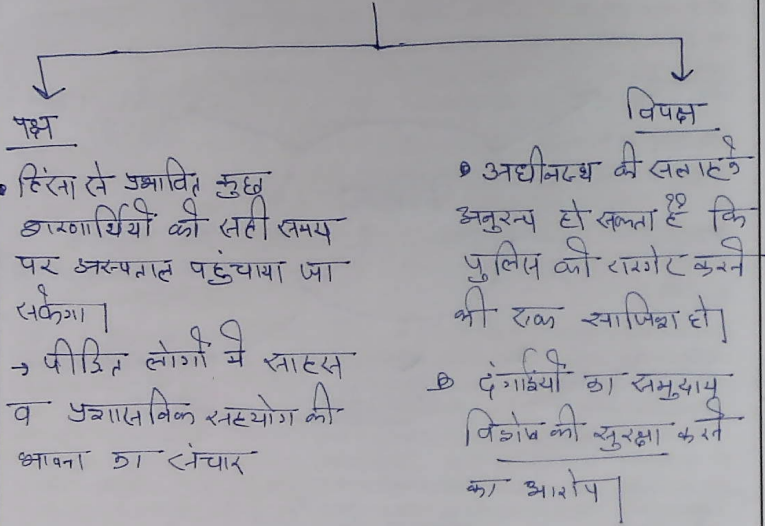


मेरे पास उपलब्ध विभिन्न दृष्टिकोण

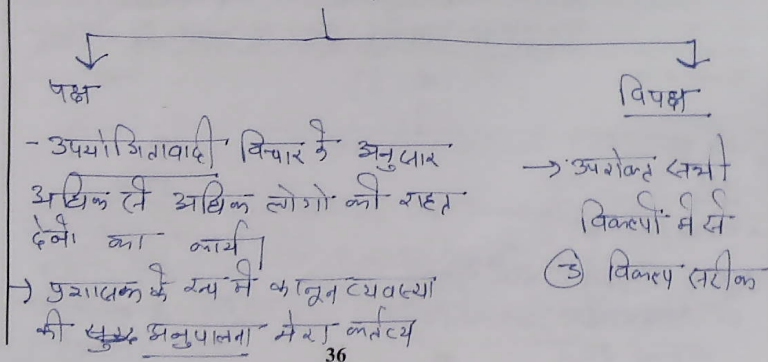
① अधीनस्थ की सलाह के अनुसार अफवाहों/हिंसा उच्चावह स्थिति पर अभी धर्म का विचार क्या है।



② बिना कुछ सोचे समझे तुरंत ठरचे ~~का~~ की सहायता हेतु
हिला गस्त क्षेत्र में जाऊ।



③ पथीय सुरक्षा अंतर्प्रामात के साथ हिला गस्त क्षेत्र का दौरा।



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

कार्यवाही का तरीका

- सर्वप्रथम अपने अधीनस्थ अधिकारियों से मामले की सम्पूर्ण जानकारी एवं हिला से जुड़े दंगाईयां एवं हिला उच्चतर क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त करेगा।
- अगर मामला गहन एवं बड़े स्तर का है तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करेगा एवं पर्याप्त सुरक्षा अंतर्प्रामात के साथ जल्द से जल्द दंगाईयों क्षेत्र तक पहुंचाने का प्रयास करेगा।
- आस-पास के धर्मों की पुलिस वी तुरंत पहुंचने के लिए बुद्ध भी मौला स्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायदास्त करेगा।
- अगर कोई चोखिल (सबैयि बच्चा) है तो उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाने का प्रयास करेगा।
- भावनात्मक दुहिमना एवं सामाजिक अनुनय के स्तर पर दंगाईयों को शांत करवाने का प्रयास करने सहित दंगाईयों के नेता अथवा धर्मगुरुओं से बातें एवं सौहार्द की अपील करवाने का प्रयास।
- उसके साथ ही अंतिम विकल्प के रूप में हिला करने वाली के खिलाफ 'पीरि टॉलरेंस' रवरेडुल की कार्रवाई करेगा।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

कानून एवं व्यवस्था की अनुपालना

- ~~उपरोक्त~~ → धारा 144 लागू करवाने का आग्रह
कार्नेकर महोदय से करेगा
- हिंसा में संलिप्त दंगेबाजों के खिलाफी कार्रवाई
- ज्ञान, कैमरा इत्यादि से निगरानी
- ठारणाथियों की सुरक्षा हेतु अतिरिक्त पुलिस
बल की तैनाती
- अन्य क्षतिग्रस्त क्षेत्रों में सभी हथियारों की
समाप्ति सुनिश्चित।
- फेक-न्यूज का फैलाव रोकने के लिए साठबर सुरक्षा
समिति सहायता

इस प्रकार गांधी के समन्वय
सिंहान्त एवं जायसी के कानून अनुपालना
सिंहान्त पर मेरी उपरोक्त कार्रवाई आधारित होगी

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

9.

रोहन 12वीं कक्षा का नवोत्तीर्ण छात्र है। अपनी अंतिम बोर्ड परीक्षा के दौरान उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उसके खराब स्वास्थ्य तथा पारिवारिक समस्याओं ने उसकी तैयारी में बाधा उत्पन्न की। वह विद्यालय की कई महत्वपूर्ण कक्षाओं में अनुपस्थित रहा। उसके सबसे अच्छे दोस्त रमन ने उसे बोर्ड परीक्षा के दौरान अमूल्य सहायता प्रदान की। रोहन को अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद करने के लिये रमन ने अपने निजी नोट्स भी साझा किये। रोहन के माता-पिता उसके दोस्त के समर्पण तथा सहायता के लिये आभारी थे, उन्होंने रोहन को सफल होने में सहायता करने के लिये किये गए प्रयास को मान्यता दी। हालाँकि बोर्ड परीक्षा में अच्छे ग्रेड प्राप्त करने के लिये किये गए प्रयास बाधा थी। CUET में प्राप्त अंक यह निर्धारित करेंगे कि रोहन किस कॉलेज व पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। रोहन BCA की पढ़ाई करना चाहता था तथा जानता था कि एक प्रतिष्ठित कॉलेज में प्रवेश के लिये उसे विशिष्ट अंकों की आवश्यकता है। हाल ही में, रोहन को पता चला कि रमन ने एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिये EWS (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। सच तो यह था कि उसका सबसे अच्छा दोस्त वास्तव में EWS श्रेणी के लिये योग्य नहीं था। इस सच से रोहन काफी परेशान हो गया। जब उसने रमन से स्थिति के बारे में पूछा, तो उसके दोस्त ने कड़ी प्रतिस्पर्धा व लाभ की आवश्यकता पर जोर देकर उसके कार्यों को उचित ठहराया। रमन ने रोहन को भी EWS प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिये मनाने की कोशिश की।

(250 शब्द) 20

- (a) उपरोक्त स्थिति में शामिल नैतिक संशय/दुविधा पर चर्चा कीजिये?
- (b) उपरोक्त सभी विकल्पों का मूल्यांकन कीजिये?
- (c) आप कौन-से विकल्प का चयन करेंगे और क्यों?

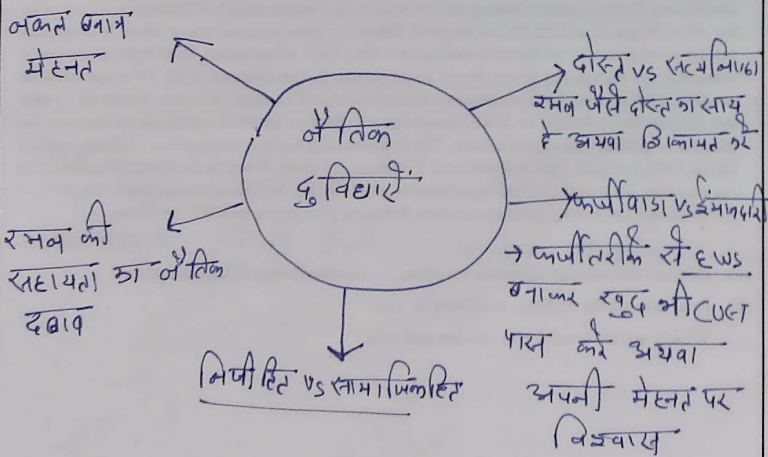
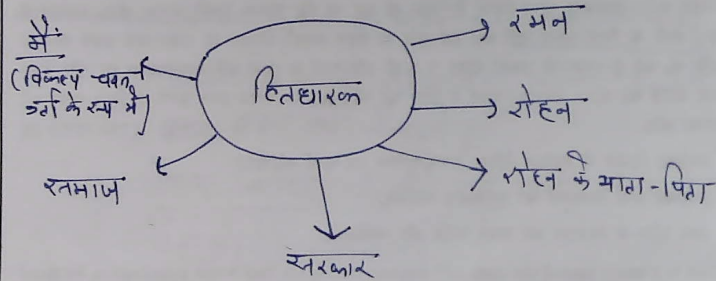
Rohan is a newly passed out class 12th student. During his final board examination, he faced several challenges. His poor health and family issues hampered his preparation. He missed several of the important classes in school. His best friend, Raman, provided him with invaluable support during the Board examination. Raman even shared his personal notes to help Rohan achieve a good score. Rohan's parents were grateful for his friend's dedication and assistance, recognizing the effort he put in to help Rohan succeed. However, there was one major obstacle even after getting good grades in the Board examination—the CUET examination. The CUET score would determine the college and course Rohan could pursue. Rohan aspired to study BCA and knew he needed exceptional marks to secure admission into a reputable college. Recently, Rohan discovered that Raman had obtained an EWS (Economically Weaker Section) certificate to improve his chances of getting into a good college. The truth was that his best friend did not actually qualify for the EWS category. This revelation left Rohan deeply upset. When he confronted Raman about the situation, his friend justified his actions by emphasizing the intense competition and the need for an advantage. Raman tried to convince Rohan to also obtain an EWS certificate.

(250 Words) 20

- (a) Discuss the ethical dilemma involved in the above-mentioned situation?
- (b) Evaluate all the options available to you?
- (c) Which option would you opt for and why?

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

नैतिक दृष्टि, स्वयंसेवा जैसे मूल्यों एवं
जुजुई दस्तावेजों के साथ राज्य को सुभ्रह करने
जैसे मुद्दों पर उपरोक्त किस अध्ययन की प्रीरणा
गया है।

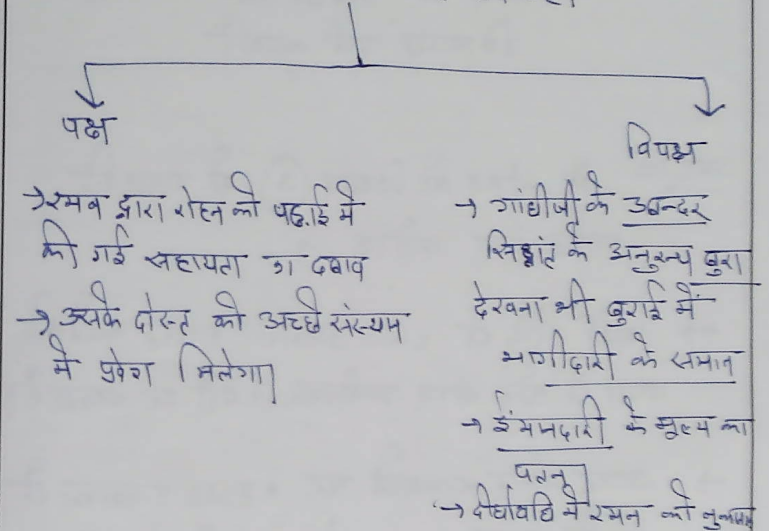


उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

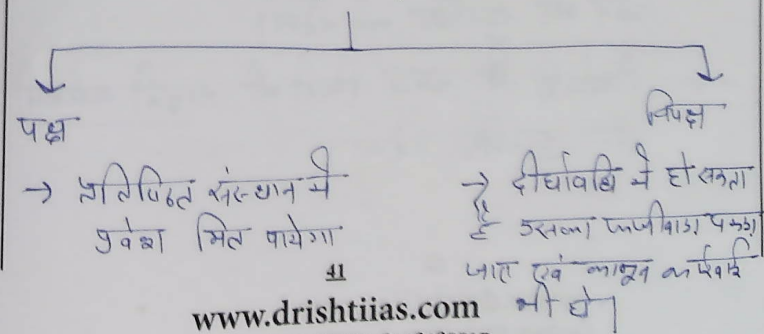
अंश (b)

विकल्प

① रामन द्वारा जुजुई तरीके से बनाये EWS समा-
पना के मुद्दे पर मौव रहे।



② खुद भी जुजुई तरीके से EWS समापना
बनवा ली



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

③ रमन को अपने EWS प्रमाणपत्र की वापस लेने हेतु समझाए एवं अंतिम विकल्प के रूप में संबंधित संस्था के पास डिप्लोमा दर्ज करवाए

उत्तर (4) में रोहन को विकल्प (3) की पयनकी सलाह दूँगा क्योंकि →

- फर्जी तरीके से EWS प्रमाणपत्र प्राप्त करने की वजह से कोई योग्य उम्मीदवार पिछे रह सकता है।
- अगर रमन समझाने पर *EWS प्रमाणपत्र से अपनी जानता वापस ले लेता है तो रोहन की इमानदारी व छुराई में शामिल न होने का ख़तरा भी सुरक्षित करे रहेगा।
- दीर्घविधि में रमन जारी भी मानूनी कार्रवाई से सुरक्षित रहेगा।

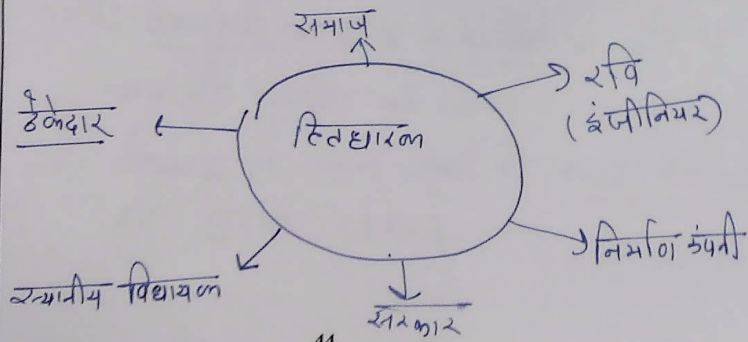
उस प्रकार उपरोक्त बिंदुओं की अनुमति मेरी सलाह होगी।

10.

भारत के एक पूर्वी राज्य में एक चार लेन का कंक्रीट पुल एक वर्ष में दूसरी बार ढह गया है। पुल की संरचनात्मक विफलता इस बात का उदाहरण देती है कि इंजीनियरिंग प्रथाओं में नैतिकता का उल्लंघन कैसे होता है। रवि एक प्रतिष्ठित संरचनात्मक इंजीनियर हैं और उसे परियोजना की जाँच के लिये नियुक्त किया गया है। योजनाओं और रेखाचित्रों की जाँच करने के बाद, उन्हें पता चला कि डिजाइन में एक बड़ी खामी थी। खामी के बारे में रिपोर्ट करने से भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति से बचा जा सकेगा लेकिन इससे निर्माण कंपनी की मान्यता प्रभावित होगी। साथ ही रवि को पता चला कि पुल का कार्य करने वाला ठेकेदार कोई और नहीं बल्कि उस इलाके के विधायक का छोटा भाई है। इस प्रकार, स्थिति की रिपोर्ट करने से उसके जीवन को कोई गंभीर खतरा हो सकता है। इस मामले में शामिल नैतिक मुद्दों का विश्लेषण करें। इस स्थिति में, रवि को आदर्श रूप से क्या करना चाहिये? क्या "त्रुटियाँ या विफलताएँ" सभी मामलों में मानव प्रगति के लिये स्वीकार्य हैं? (250 शब्द) 20

A four-lane concrete bridge in an eastern state in India has collapsed for the second time in just over a year. The structural failure of the bridge provides an example of how violation of ethics occurs in engineering practices. Ravi is a reputable structural engineer and has been appointed to investigate the project. After scrutinizing the plans and drawings, he finds that there was a major flaw in the design. Reporting about the flaw would save such a grave situation in the future but this would affect the recognition of the construction company. Also, Ravi found that the contractor working for the bridge is no one else but the younger brother of the MLA in that area. Thus, reporting the situation may cause some serious threat to his life. Analyse the ethical issues involved in this case. In this situation, what should Ravi ideally do? Are "errors or failures" acceptable price for human progress in all instances? (250 Words) 20

व्यावसायिक नैतिकता, कॉर्पोरेट गवर्नेंस
भ्रष्टाचार एवं गणनीतिक-उत्पादनिक गठजोड़ पर
उपरोक्त कस अद्ययन आधारित है।



44

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

नैतिक मुद्दे ?

- व्यावसायिक नैतिकता बनाम व्यक्तिगत स्वार्थ
- यदि रवि डिजाइन से जुड़ी स्वामी का उजागर ना करे तो उसकी व्यावसायिक नैतिकता उच्चवित
- ऐसा करने पर स्थानीय विधायक व ठेकेदार से व्यक्ति सुरक्षा का खतरा

भ्रष्टाचार

- कंक्रीट पुल का दूसरी बार ढहना इस बात का सीधा संकेत है कि निर्माण सामग्री घटिया गुणवत्ता की प्रमुख व भ्रष्टाचार के जरिए पुल की उम्रपूर गुणवत्ता

निष्पक्षता बनाम तरफदारी

- गणनीतिक रूप से तरफदार होकर विधायक के छोटे भाई पर कोई कार्रवाई की परवाह किए बिना अपनी रिपोर्ट बनाने अथवा

45

लेखक का पक्ष लेते हुए रिपोर्ट में जात
रक्षों की पुनर्करी

रवि को क्या करना चाहिए?

- होपस के उच्चाधिकार सत्यनिष्ठा के अनुसंधारी के
ईमानदारी के साथ डिजाइन की स्वामिनी की
जांच।
- यदि जांच में कोई स्वामिनी पाई जाती है तो
उसकी उपाहार करते हुए निराकरण हेतु
सुझाव भी दें।
- साहस, हृदय, सेवा के अति समर्पण इत्यादि की
प्राथमिकता है। हुए व्यक्तिगत सुरक्षा की
परवाह किए बिना सार्वजनिक स्थान में कार्यभार
आ. सत्येन्द्र नाथ दुबे द्वारा NHTA में उपाहार
सुपराचार के अनुसंधारी

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

→ रुटियों एवं विफलताएँ दोनों मानव स्वभाव की
सामान्य विशेषताएँ हैं इसलिए रुटियों व विफलताओं
की सहजता के साथ स्वीकार करते हुए सफलता हेतु लगातार
प्रयास करते रहना चाहिए। उदा. थॉमस अल्वा एडिसन
द्वारा 10,000 बार विफल होने के बावजूद भी बल्ब
बनाने का कार्य जारी रखना एवं अन्ततः सफल होना
सभी मामलों में स्वीकार्य नहीं →

उदाहरण - → राष्ट्रीय सुरक्षा के दौरान।

→ परमाणु एजेंसियों के संचालन में।

उस तरह स्वामी विवेकानंद के मानवता
परमोधर्म एवं महात्मा बुद्ध के लक्ष्यवाद के अनुसंधारी रवि
को अपनी लक्षिक शक्ति के परिणत स्वामिनी की
उपाहार करते हुए मानव सुरक्षा की दृष्टान में रक्षित
हूँ अपनी सम्पूर्ण करिबारी करनी चाहिए।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

11.

21 वर्ष की उम्र में ही राधिका अपने असाधारण कुश्ती कौशल के कारण अपने गृह राज्य हरियाणा में काफी प्रसिद्ध हो गईं। इसका पूरा श्रेय उसकी प्रतिभा और उसके माता-पिता द्वारा उसके सपनों को पूरा करने के लिये किये गए अनेकों बलिदानों को जाड़ा है। अपनी माँ के कैंसर के इलाज के कारण उत्पन्न हुए वित्तीय संकट का सामना करने के बावजूद उसके पिता के अटूट दृढ़ संकल्प ने उसे एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने के लिये सबसे अधिक प्रेरित किया।

ओलंपिक खेलों का समय निकट आते देख राधिका ने दिल्ली में कुश्ती अकादमी में तकनीकी प्रशिक्षण लेने का निर्णय लिया। इस दिशा में उसके क्षेत्र के विधायक द्वारा इस प्रक्रिया में तेजी लाये जाने और अविलंब प्रशिक्षण शुरू कराये जाने की अनुमति से राधिका को बहुत मदद मिली। हालाँकि, अपने छोटे भाई और माँ की तबियत को देखते हुए वह अपने गृह जिले को छोड़ने को लेकर काफी चिंतित थी, परंतु उसके पिता ने उसे आश्वस्त किया कि वह नियमित रूप से उससे मिलने आया करेंगे और उसे सुझाव दिया कि वह घर को चिंता को छोड़कर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करे।

दिल्ली में कुश्ती अकादमी में राधिका ने कुश्ती क्षेत्र के एक प्रसिद्ध कोच/प्रशिक्षक से प्रशिक्षण लेना आरंभ किया। उनके मार्गदर्शन में उसके कौशल में काफी सुधार हुआ। राधिका को उनके अधीन प्रशिक्षण ले रही अन्य प्रतिभाशाली महिला पहलवानों से मिलने का भी अवसर प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, कोच ने राधिका के प्रशिक्षण को बेहतर बनाने के लिये व्यक्तिगत रूप से अपने खर्च से कई उपकरण उपलब्ध कराए।

एक दिन, शाम को प्रशिक्षण खत्म करके लौटते समय राधिका को किसी के रोने की आवाज सुनाई दी। वह उसके पास गई और पाया कि यह एक नई प्रशिक्षु है और इसका नाम श्रुति है तथा वह एक नाबालिग भी है। उत्सुकतावश राधिका ने श्रुति को परेशानी का कारण जानने की बहुत कोशिश की, किंतु उसने कोई भी विवरण देने से इनकार कर दिया। अचानक उनका कोच आया और तेजी से श्रुति को लेकर चला गया। इस स्थिति से उत्पन्न भ्रम और अस्थिरता एवं श्रुति की दर्दनाक चीखें उसके दिमाग में घूमते रहने के कारण राधिका को उस रात नींद नहीं आई।

अगली रात, प्रशिक्षण के बाद लौटते समय, राधिका ने उसी लड़की को कोच के साथ देखा। इस दृश्य से परेशान होकर उसने इस बारे में अकादमी में अपने एक दोस्त से बात की। दोस्त ने उसे सतर्क रहने को कहा और यह भी सलाह दी कि वह इस विषय में और किसी से बात न करे। उसको दोस्त ने आगे बताया कि कोच गरीब और वंचित पृष्ठभूमि की लड़कियों का यौन शोषण करता था। कई अन्य लड़कियों ने इस जानकारी को पुष्टि की थी।

यह सुनकर राधिका को बहुत हैरानी हुई और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। कोच का उसके प्रति व्यवहार हमेशा ही सम्मानजनक रहा था और उन्होंने उसकी काफी मदद भी की थी। इसके अतिरिक्त, उनके कुछ राजनीतिक संबंध थे और उनके जिले के विधायक से उनको करीबी दोस्ती थी। लड़कियों ने राधिका को अन्य के साथ हुई इसी प्रकार की कई घटनाओं के बारे में बताया, और यह भी बताया कि किस प्रकार जिन-जिन लकड़ियों ने आवाज उठाने की कोशिश की, उनका करियर नष्ट हो गया। अपनी सफलता के वर्तमान स्तर तक पहुँचने के लिये किये गए बलिदानों के विषय में राधिका भलीभाँति अवगत थी, साथ ही उसे अपनी वित्तीय स्थिति का भी आभास था। हालाँकि, वह एक बात अच्छे से जानती थी कि वह इस अन्याय को अनदेखा नहीं कर सकती।

(250 शब्द) 20

- (a) इस मामले में कौन-कौन से हितधारक शामिल हैं?
- (b) राधिका के लिये कार्रवाई की दिशा और उनके संभावित निहितार्थों को जाँच कोजिये।
- (c) मूल्यांकन कोजिये कि भविष्य में कौन-सी कार्यवाही राधिका के लिये अधिक उपयुक्त होगी और क्यों।

Radhika, at the age of 21, became a sensation in her home district of Haryana due to her exceptional wrestling skills. Her talent propelled her to stardom, and her parents made significant sacrifices to fulfil her dreams. Despite facing financial distress, especially after her mother's cancer diagnosis, her father's unwavering determination pushed her to go to extreme lengths to win a medal at the Asian Championship.

With the Olympics looming, Radhika made the decision to take smart and technical training at the wrestling academy in Delhi. She was overjoyed when the MLA from her region expedited the process, allowing her to commence training immediately. However, concerns about leaving her home district arose since she had a younger brother and an ailing mother. Nonetheless, her father reassured her that he would visit regularly, urging her to concentrate on her games.

At the academy in Delhi, Radhika was assigned a renowned coach who held great prestige in the wrestling circle. Under his guidance, her skills improved significantly. She also had the opportunity to meet other talented female wrestlers who were training under him. They, too, were impressed by the coach's expertise. Additionally, the coach went above and beyond, personally providing equipment for Radhika from his own pocket to enhance her training.

One evening, upon returning from training, Radhika heard someone sobbing. She approached the source of the cries and discovered a new trainee named Shruti, a minor. Curious about the cause of Shruti's distress, Radhika inquired, but she refused to disclose any details. Suddenly, their coach arrived and swiftly took Shruti away. Confused and unsettled by the situation, Radhika found it difficult to sleep that night as Shruti's painful cries lingered in her mind.

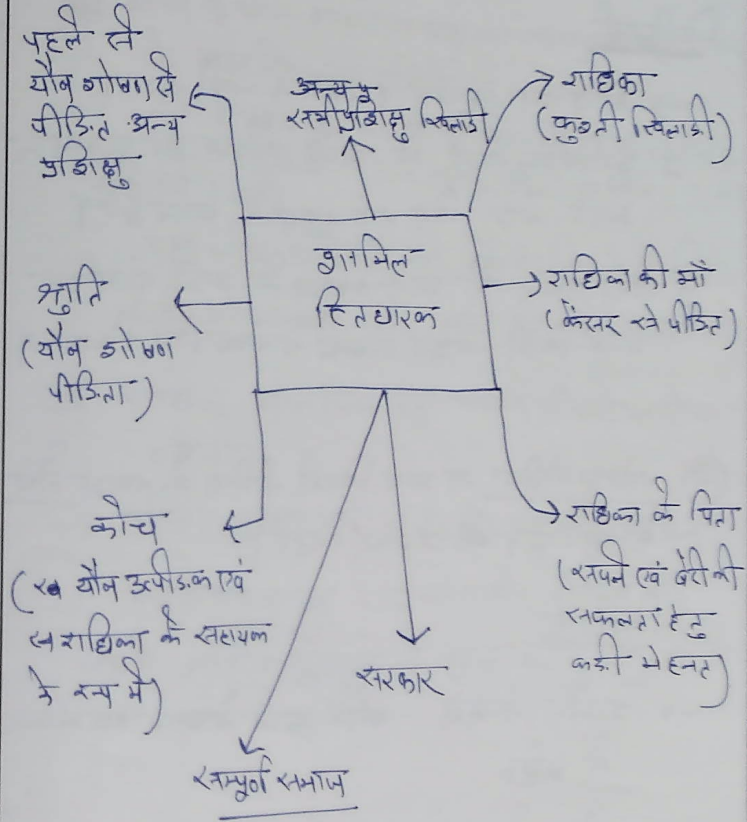
The following night, while returning from training, Radhika spotted the same girl in the company of the coach. Troubled by this observation, she confided in a friend at the academy. The friend cautioned her to be cautious and advised against disclosing the information to anyone else. Upon further discussion, the friend revealed that the coach took advantage of girls from marginalized backgrounds in a sexual manner. Many other girls had corroborated this information.

Shocked to the core, Radhika was at a loss for what to do. The coach had always been respectful and helpful towards her. Moreover, he had political connections and was a close friend of the MLA from her district. The girls also shared stories of others who had tried to raise their voices and had their careers destroyed as a result. Radhika was aware of the sacrifices she had made to reach her current level of success, and the financial situation was far from ideal. However, she knew she couldn't let this injustice go unaddressed. (250 Words) 20

- Who are the different stakeholders involved in this case?
- Examine the courses of action for Radhika and their potential implications.
- Evaluate which future course of action would be more appropriate for Radhika and why.

वेदल में तिकता, प्रतिस्पर्धी का यौव
गोपण व्यवधि से संबंधित एक सैदा ही मामला
हाल ही में भी चर्चित है जिसकी वद भारतीय
कुष्ठती खिलाडी कुष्ती संघ फेडरेशन के अध्यक्ष
के खिलाफ आन्दोलित है

हितधारक ← उत्तर (9)



उत्तर (6) राष्ट्रिका हेतु कार्रवाई की दिशा

- अपनी पारिवारिक एवं वित्तीय स्थिति देखते हुए पूरी धना के प्रति मौन रही

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

निर्दिष्ट

- कौच का सहयोग व सम्मान जारी रहेगा।
- ओलंपिक खेलों में अपने कौशल का परिचय अपने भाग-विभा एवं राष्ट्र के अपने धरो।
- इस उदार की धना प्रियाय में उसके साथ या अन्य किसी महिला खिलाड़ी के साथ होने की संभावना।

② सोशल मीडिया या अन्य किसी मीडिया के सम्बन्ध में के फु-फुल को उजागर करना।

निर्दिष्ट

- गरिमा, साहस, जैसी मूल्यों के साथ आत्मविकास में रहें।
- कौच के प्रति जलज्वराना निर्भर।
- अपने ही पठता यौव शोषणकारी की अपने क्वाव में पर्याप्त समय मिल जाए।

उत्तर-C राष्ट्रिका के लिए उपयुक्त विकल्प

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

→ कौच के यौव-शोषण अपराध की जानकारी गुप्त रूप से आंतरिक जांच समिति (ICC POSH Act-2017) को देना एवं पूरे मामले पर विग्राती एवं अंतरा संबंधित संस्थाओं के पास जाकर सबूतों के साथ F.I.R।

निर्दिष्ट

- यह जांच समिति की जिम्मेदारी होगी की यौव-शोषणकारी की कड़ी से कड़ी सजा मिले।
- राष्ट्रिका ओलंपिक हेतु अपनी तैयारी जारी रख पायेगी।
- महिला सुरक्षा एवं कार्यस्थल पर यौव उपीक्रम (विचारवा गइडलाइन) एक गंभीर विषय यदि इसके लिए लघु अवधि में कुछ शोना भी पड़े तो तैयार रहना चाहिए।

निष्कर्षतः उल्लेख खेल में लिखा एवं ममवीय गरिमा जैसी गुणा पर आधारित राष्ट्रिका की सम्पूर्ण कार्यवाही होनी चाहिए।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

12.

एक जिले में कई बच्चे मध्याह्न भोजन के दौरान दिये गए भोजन को खाने के बाद बीमार हो गए, जिसमें कथित तौर पर एक साँप था। भोजन तैयार करने के लिये जिम्मेदार स्टाफ सदस्य ने कहा कि छात्रों को भोजन परोसे जाने के बाद दाल के एक कंटेनर में एक साँप पाया गया। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि यह घटना उनकी लापरवाही के कारण नहीं हुई, बल्कि सरकार द्वारा संचालित विद्यालय प्रशासन की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से किसी बाह्य समूह द्वारा जानबूझकर की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप हुई है।

आप खंड विकास अधिकारी हैं और आपको ग्रामीणों से शिकायतें मिली हैं। वहाँ पहुँचने पर आप पाते हैं कि अभिभावकों ने विद्यालय कर्मचारी और शिक्षकों को घेर रखा है। उन्होंने विद्यालय की संपत्ति को भी नुकसान पहुँचाया है। विद्यालय कर्मचारी आपसे अनुरोध करता है कि जो रिपोर्ट आपको देनी है उसमें उसे बदनाम न करें क्योंकि उसकी नौकरी जा सकती है और वह अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाला है। वहीं, ग्रामीण आपसे विद्यालय कर्मियों को दंडित करने और त्वरित न्याय दिलाने की मांग करते हैं। (250 शब्द) 20

- उपरोक्त मामले में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये।
- इस मामले में निहित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।
- उपरोक्त स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

Several children in a district became sick after consuming the food provided to them during a mid-day meal, which reportedly contained a snake. The staff member responsible for preparing the meal stated that a snake was discovered in one of the lentil containers after the food was served to the students. However, he insisted that this incident occurred not due to his negligence, but rather as a result of deliberate actions by an external group aiming to tarnish the reputation of the government-run school administration.

You are the Block Development Officer and have received complaints from the villagers. As you reach there, you find that the guardians gheraoed the school staffer and teachers. They have also vandalized the school property. The school staffer requests you not to defame him in the report that you are supposed to submit as he may lose his job and he is the only earner in his family. On the other hand, the villagers demand you to punish the school staffer and deliver quick justice. (250 Words) 20

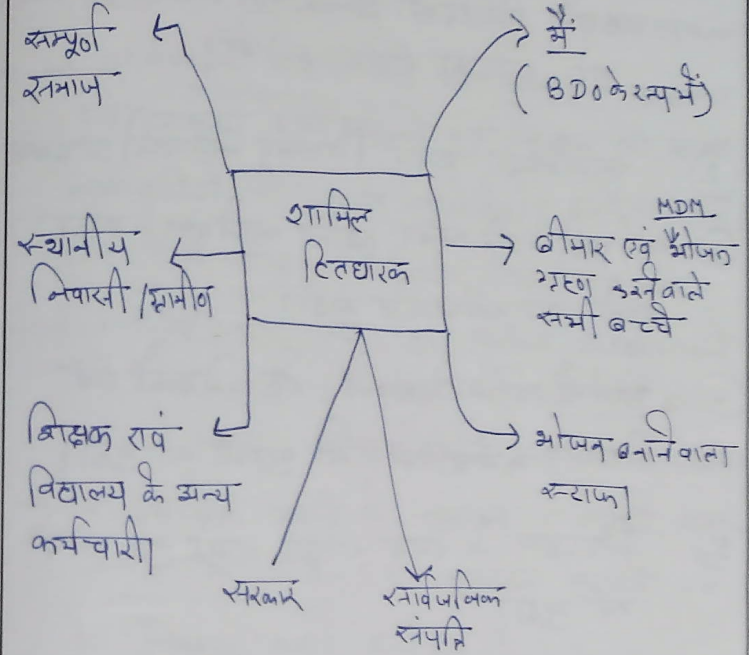
- Identify the stakeholders involved in the above case
- Discuss the ethical issues involved in this case.
- What steps would you take in the above situation?

सहयोगिता, अल्पसंख्यकों एवं
श्रमजीवी वर्गों के प्रति विशेष पर
उपरोक्त केस अध्ययन को लेना गमाए।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

उत्तर (1)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

उत्तर (2)

नैतिक मुद्दे

- सरकारी योजनाओं का सफल संचालन बनाम लापरवाही
→ मध्याह्न भोजन (MDM) योजना एक बड़े स्तर पर
बच्चों के स्कूल आमानता है यह एवं सुयोग्य
को इस उम्मीद में सहायता।

इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही एक छत्र तंत्र पर उभार डालेगी।

- 2) सत्यनिष्ठा बनाम विद्यालय कर्मचारी जादवप
- 3) कर्मचारी केंद्रित करणा (एडमन कमाने वाला) बनाम बच्चों का संवैधान्तिक मुद्दा।
- 4) छात्राधीन एवं अभिभावकों से शिक्षकों एवं विद्यालय कर्मचारियों की सुरक्षा का मुद्दा।
- 5) निरपेक्षता के साथ सम्पूर्ण मामले की जांच का मुद्दा।

अंतर (1) उठाएँ जाने वाले कदम

- बीमार बच्चों की सर्वप्रथम अस्पताल पहुँचाने की व्यवस्था
- अपने ~~स~~ सहकर्मियों एवं अधीनस्थों के माध्यम से सम्पूर्ण मामले की जांचकारी जांच करवाएँ।
- सहकर्मियों एवं स्थानीय पुलिस को साथ लेकर
- ~~दर. इंसान~~ ~~पंच~~ ~~दाला~~ ~~लजल~~ पर तुरंत पहुँचाना

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

- मामले की शरीरगत से समझने का ज्यादाकशा
- अभिभावकों एवं छात्राधीन को आवनात्मक दृष्टिभंगता एवं अनुनय द्वारा समझाने हुए शिक्षक एवं अन्य कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का उपाय।
 - शर्तों में शोषण जैसे गंभीर विषय की जांच निरपेक्ष जांच की पूरा धरोहरा अभिभावकों को देकर इस धरे उल्लंघन की थर्ड पार्टी द्वारा जल्द से जल्द जांच करवाने का उपाय करणा।
 - सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा न पहुँचाने की अपील के साथ-साथ बुल्लतान पहुँचाने वाली के खिलाफ कड़ी कार्रवाई।
 - थर्ड पार्टी जांच रिपोर्ट आने के पत्रचार दोषी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हेतु स्थानीय पुलिस को निर्देश।
 - इस तरह की घटना भविष्य में ना हो इसके लिए सम्पूर्ण विषय की निरपेक्ष जांचकारी आने वाली अधीनस्थों तक

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

→ पट्टी का प्रयास करेगा।

→ बीमार बच्चों के स्वास्थ्य का जीवन्त लेने का प्रयास करेगा।

इस तरह आर्वाजमिक सेवा के प्रति समर्पण का भाव रखते हुए मानवता की शर्तोंपरि रखते हुए बेरी सम्पूर्ण कार्यवाही होगी।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)



Space for Rough Work
(रफ़ कार्य के लिये स्थान)

६०

www.drishtiiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright - Drishti The Vision Foundation